

Chapter:

विभाग १ - गद्य : 20 अंक

Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

तिवारी जी:	नागर जी, आप अपने समय के और कौन-कौन से लेखकों के संपर्क-प्रभाव में रहे?
नागर जी:	जगन्नाथदास रत्नाकर, गोपाल राय गहमरी, प्रेमचंद, किशोरी लाल गोस्वामी, लक्ष्मीधर वाजपेयी आदि के नाम याद आते हैं। माधव शुक्ल हमारे यहाँ आते थे। वे आजानुबाहु थे, ढीला कुरता पहनते थे और कुरते की जेब में जलियाँवाला बाग की खून सनी मिट्टी हमेशा रखे रहते थे। १९३१ से ३७ तक मैं प्रतिवर्ष कोलकाता जाकर शरतचंद्र से मिलाता रहा, उनके गाँव भी गया।
तिवारी जी:	पुराने साहित्यकारों में आप किसको अपना आदर्श मानते हैं?
नागर जी:	तुलसीदास को तो मुझे घुट्टी में पिलाया गया है। बाबा, शाम को नित्य प्रति 'रामचरितमानस' मुझसे पढ़वाकर सुनते थे। श्लोक जबरदस्ती याद करवाते थे।
तिवारी जी:	नागर जी, आपने 'खंजन नयन' में सूरदास के चमत्कारों का बहुत विस्तार से वर्णन किया है। क्या इनपर आपका विश्वास है?
नागर जी:	नेत्रहीनों के चमत्कार हमने बहुत देखे हैं। उनकी भविष्यवाणियाँ कभी-कभी बहुत सच होती हैं। सूरपंचशती के अवसर पर काफी विवाद चला था कि सूर जन्मांध थे या नहीं। सवाल यह है कि देखता कौन है? आँख या मन? आँख माध्यम है, देखने वाला मन है।
तिवारी जी:	आपने क्या कभी अपने लिखने की सार्थकता की परख की है?
नागर जी:	हाँ, मेरे पास बहुत से पत्र आते हैं। मेरे उपन्यासों के बारे में, खास तौर से जिनसे पाठकीय प्रतिक्रियाओं का पता चलता है।
तिवारी जी:	नागर जी, आपने भ्रमण तो काफी किया है ...
नागर जी:	हाँ, पूरे अखंड भारतवर्ष का। पेशावर से कन्याकुमारी तक। बंगाल से कश्मीर तक। इन यात्राओं का यह लाभ हुआ कि मैंने कैरेक्टर (चरित्र) बहुत देखे और उनके मनोविज्ञान को भी समझने का मौका मिला।

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए:



A2) ..

2

वाक्य को घटना क्रमानुसार लिखिए:
 श्लोक जबरदस्ती याद करवाते थे।
 सवाल यह है कि देखता कौन है?
 आप अपने कौन-कौन से लेखकों के संपर्क-प्रभाव में रहे?
 माधव शुक्ल हमारे यहाँ आते थे

A3) ..

2

(i) उचित विराम चिह्न लगाइए।
 नागर जी अपने भ्रमण तो काफी किया है
 (ii) पर्यायवाची शब्द लिखिए।
 (a) स्मरण - (b) नयन -

A4) ..

2

स्वमत:
 'रामचरितमानस' महाकाव्य की जानकारी लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

हम यहाँ चार-छह दिन रहे लेकिन हमारी एक ही दिनचर्या रही। सुबह जल्दी उठना, फटाफट नाश्ता करना और दिन भर घूम-फिरकर, थककर शाम को रिसॉर्ट आकर थकान मिटाने के लिए पूल में तैरना ! एक दिन कोलवा बीच पर हमने बोटिंग का भी आनंद लिया। यहाँ हमने डॉल्फिन मछलियाँ देखीं। हालाँकि ये छोटी थीं पर बच्चों ने अच्छा आनंद लिया।

इस दौरान यहाँ नवरात्रि तथा दशहरा पर्व मनाने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। उत्तर भारत में जिस तरह हर घर तथा गली-मोहल्ले में माँ दुर्गा की घट स्थापना कर तथा लड़कियों द्वारा गरबा कर पर्व मनाया जाता है, ऐसा ही यहाँ भी होता है। रावण का पुतला कहीं भी नहीं जलाया जाता है। सुबह से लोग अपने वाहनों की सफाई कर उनकी पूजा करते हैं और शाम को भगवान की एक पालकी मंदिर ले जाई जाती है। इसके बाद एक पेड़ विशेष की पत्तियाँ तोड़कर लोग एक-दूसरे को देकर बधाई देते हैं। सबकी अपनी-अपनी सांस्कृतिक परंपरा है।

इतने कम दिनों में मैं गोवा को पूरा देख-समझ तो नहीं पाया पर इतना जरूर समझ गया कि पश्चिमी फैशन और सभ्यता में रचा-बसा होने के बावजूद यह भारतीय संस्कृति को पूरी तरह से आत्मसात किए हुए है। पर्यटक फैशन के रंग में कुछ देर के लिए भले ही स्वयं को रँगकर चले जाते हों लेकिन स्थानीय लोग अपनी सांस्कृतिक परंपरा की उँगली अब भी पकड़े हुए हैं।

1 A1) ..

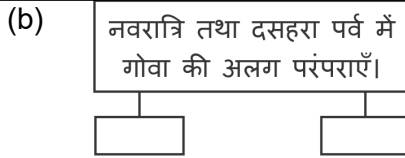
2

कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

(a)

```

    graph TD
      A[गोवा रचा बसा है।] --> B[ ]
      A --> C[ ]
  
```



A2) ..

2

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो।

(अच्छा, सांस्कृतिक, पत्तियाँ, गरबा)

(i) स्थानीय लोग अपनी परंपरा की उँगली अब भी पकड़े हुए हैं।

(ii) लड़कियों द्वारा कर पर्व मनाया जाता है।

(iii) छोटी थीं पर बच्चों ने अच्छा लिया।

(iv) एक पेड़ विशेष की तोड़कर लोग एक-दूसरे को देकर बधाई देते हैं।

A3) ..

2

प्रत्यय पहचानकर लिखिए।

i. सांस्कृतिक -

ii. स्थानीय -

A4) ..

2

स्वमत:

“धार्मिक पर्व भारतीय संस्कृति का दर्पण है।”

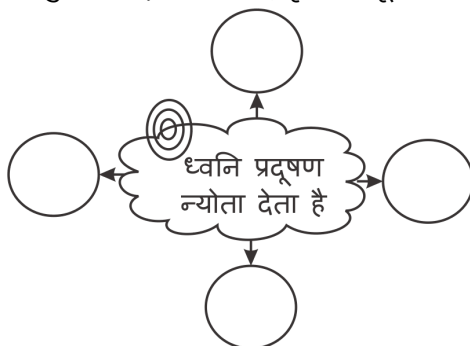
(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

ध्वनि प्रदूषण सिर्फ बहरेपन को ही न्योता नहीं देता वरन बेचैनी एवं मानसिक तनाव भी पैदा करता है, जिससे निम्न या अधिक रक्तचाप की बीमारी हो सकती है। इससे व्यक्ति मानसिक तनाव, चिड़चिड़ाहट और झुंझलाहट की समस्या से ग्रस्त हो जाता है। रक्त में कोलेस्टेरोल की मात्रा बढ़ जाती है। स्नायु तंत्र पर शोर का प्रभाव हृदय, पाचन तंत्र के साथ अन्य तंत्रों पर भी पड़ता है। साथ ही वाहिनियों के संकुचन से हृदय रोग तथा अन्य बीमारियाँ शरीर में डेरा डाल लेती है। अधिक शोर के कारण नेत्र गोलक पर केंद्रित नहीं हो पाता। शोर का प्रभाव परिस्थिति और सुननेवाले की मनोवृत्ति पर निर्भर है।

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

स्वमत:

'प्रदूषण का मानव जीवन पर प्रभाव' अपने शब्दों में लिखिए।

विभाग २ - पदय : 12 अंक

Q.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(6)

चाहे सभी सुमन बिक जाएँ चाहे ये उपवन बिक जाएँ
चाहे सौ फागुन बिक जाएँ पर मैं गंध नहीं बेचूँगा
अपनी गंध नहीं बेचूँगा ॥
जिस डाली ने गोद खिलाया जिस कोंपल ने दी अरुणाई

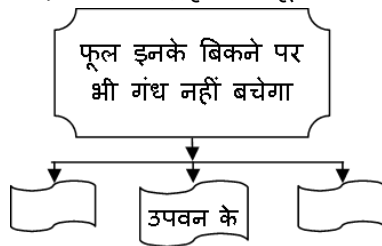
लछमन जैसी चौकी देकर जिन काँटों ने जान बचाई
इनको पहिला हक आता है चाहे मुझको नाचें – तोड़ें
चाहे जिस मालिन से मेरी पँखुरियों के रिश्ते जोड़ें
ओ मुझपर मँड़राने वालो मेरा मोल लगाने वालो
जो मेरा संस्कार बन गई वो सौगंध नहीं बेचूँगा ।
अपनी गंध नहीं बेचूँगा ॥

1 A1) ..

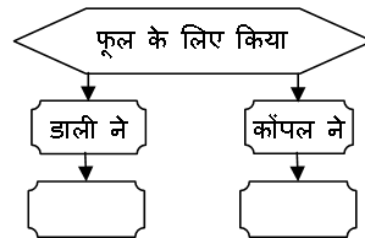
2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

(i)



(ii)



A2) ..

2

विपरीतार्थक शब्द (विलोम) लिखिए:

(i) कांटा × (ii) सुगंध ×

अधोलिखित शब्दों का शब्द भेद पहचान कर लिखिए।

(i) फूल कहता है इस संसार में जिसका जन्म हुआ है मृत्यु भी निश्चित है।

(ii) मैं अपना स्वाभिमान नहीं बेचूँगा।

A3) ..

2

भावार्थ लिखिए:

उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम छह पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(6)

हरि बिन कृष्ण गती मेरी ॥
तुम मेरे प्रतिपाल कहिये मैं रावरी चेरी ॥
आदि-अंत निज नाँव तेरो हीमायें फेरी ।
बेर-बेर पुकार कहूँ प्रभु आरति है तेरी ॥
यौ संसार बिकार सागर बीच में घेरी ।
नाव फाटी प्रभु पाल बाँधो बूड़त है बेरी ॥
बिरहणि पिवकी बाट जौवै राखल्यो नेरी ।
दासी मीरा राम रटत है मैं सरण हूँ तेरी ॥

1 A1) ..

2

कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर लिखिए।

(बिरहणि, हरि, मीरा, नाव, आरति)

- (i) अपने आप को चेरी मानने वाली -
- (ii) मीराबाई का प्रतिपाल करने वाले -
- (iii) संसार बिकार में घिरने वाली -
- (iv) पिवकी बाट देखने वाली -

A2) ..

2

(i) निम्न शब्दों के अर्थ पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए।

अर्थ	शब्द
दासी
भगवान

(ii) पद्यांश में उल्लेखित शब्दयुग्म ढूँढ़कर लिखिए।

(a) (b)

A3) ..

2

स्वमत.

उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

विभाग ३ - पूरक पठन : 8 अंक

Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(4)

इस वर्ष बड़ी भीषण गरमी पड़ रही थी। दिन तो अंगारे से तपे रहते ही थे, रातों में भी लू और उमस से चैन नहीं मिलता था। सोचा इस लिजलिजे और घुटनभरे मौसम से राहत पाने के लिए कुछ दिन पहाड़ों पर बिता आँ।

अगले सप्ताह ही पर्वतीय स्थल की यात्रा पर निकल पड़े। दो – तीन दिनों में ही मन में सुकून – सा महसूस होने लगा था। वहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य, हरे – भरे पहाड़ गर्व से सीना ताने खड़े, दीर्घता सिद्ध करते वृक्ष, पहाड़ों की नीरवता में हल्का – सा शोर कर अपना अस्तित्व सिद्ध करते झरने, मन बदलाव के लिए पर्याप्त थे।

उस दिन शाम के वक्त झील किनारे टहल रहे थे। एक भुट्टेवाला आया और बोला – “साब, भुट्टा लेंगे। गरम – गरम भूनकर मसाला लगाकर दूँगा। सहज ही पूछ लिया – “कितने का है?”

“पाँच रूपये का।”

“क्या ? पाँच रूपये में एक भुट्टा। हमारे शहर में तो दो रूपये में एक मिलता है, तुम तीन ले लो।”

1 A1) ..

2

संजाल पूर्ण कीजिए।

	लेखक के मन को सुकून देनेवाले प्राकृतिक घटक	

A2) ..

2

स्वमत.

‘प्रकृति मन को प्रसन्न करती है’ विषय पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(4)

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए ।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।

यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते !

इस कारण हम तुमसे बढ़कर । हम सबके आगे चुप रहिए ।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए । हम उस धरती के लड़के हैं ...

1 A1) ..

2

उपर्युक्त पद्यांश से वीरत्व दर्शाने वाली दो पंक्तियाँ ढूँढ़कर लिखिए।

(i)

(ii)

A2) ..

2

स्वमत

‘शेखी बघारना बुरी आदत है’ विषय पर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार लिखिए।

विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :-

(1)

‘आह ! कैसी सुगंध है ?

(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों में से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :-

(1)

(i) कारण

(ii) कारण

(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :-

(1)

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i)	उत + कृष्ट
ii) सूर्योदय

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए।

(1)

(i) एक - दो महीने फूल देकर वह सूख गया।

(ii) मृत्यु का एहसास उम्र के किसी भी मोड़ पर हो सकता है।

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का ‘प्रथम’ तथा ‘द्वितीय’ प्रेरणार्थक रूप लिखिए।

(1)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) मोड़ना
ii) मानना

(6) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :-

(1)

बाग में राम और सीता एक दूसरे को देख रहे थे।
(आँख चार होना, आँखों से अंगारे बरसना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए

1) गला फाडना -

2) मौका मिलना -

(7) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारको में से कोई एक कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। (1)

1) उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाएगा।

2) रूपा उस समय कार्य भार से उद्विग्न हो रही थी।

(8) निम्नलिखित वाक्यों में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिरसे लिखिए। (1)

1) अम्मा सोती है जाऊँगी तो मारेंगी

2) साहब ने बड़ी सरलता से कहा अच्छा तो फिर पूछिए

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। (2)

(i) मानू फूट – फूटकर रो रही थी। (पूर्ण भूतकाल)

(ii) वह हिमालय को खोज रहा है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(iii) मानू फूट – फूटकर रो रही थी। (सामान्य भूतकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :- (1)

फूल की गंध घर-घर तक जाएगी।

ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्या अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए। (1)

1) थोड़ी बातें हुई। (विस्मयार्थक वाक्य)

11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए। (2)

(iii) किसी का आवाज नहीं सुनाई देता।

(ii) यहाँ का न्यायप्रियता द्रव्य पर निर्भर हैं।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक

Q.5 (अ) (1) पत्र लेखन -

(5)

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए :-

व्यवस्थापक लायंस स्पोर्ट्स सेंटर अमरावती / खेल सामग्री मँगवाने हेतु / श्याम / श्यामा ठाकुर, नेताजी सुभाषचंद रोड, अकोला से।

OR

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम आने पर अपने मित्र/सहेली को बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

(2) गद्य आकलन -

(4)

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-

स्वार्थ तो सबमें होता है। पशु में भी है, मनुष्य में भी है। जहाँ तक स्वार्थ का संबंध है, मनुष्य होता है, तो उसे बड़ा पशु कहना चाहिए। पशु का स्वार्थ छोटा होता है और मनुष्य ही कहेंगे, जो पेट पालने के लिए, स्वार्थ के लिए, खुदगर्जी के लिए झूठ बोलते हैं, दगा करते हैं, दूसरों का अहित करते हैं और जाने क्या-क्या करते हैं। जो और भी बड़े स्वार्थी होते हैं, वे पैसे के बल पर कभी अंध जनता को पैसे की शराब पिलाकर मतवाला करते हैं और निरीहों के रक्त-शोषण का औजार बना लेते हैं। कुछ बुद्धि के बल पर उन्हें धार्मिक ढोंग का नशा पिलाकर लोगों को जलील करते हैं, देश के देश तबाह करा देते हैं। कुछ अधिकार का मद पिलाकर गरीबों की पसलियाँ टुट लेते हैं। क्या इन आदमियों को भी आप आदमी कहेंगे ?

(आ) (1) वृत्तांत लेखन -

(5)

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'वैश्विक महिला दिवस समारोह' पर वृत्तांत लिखिए

i. स्थान ii. तिथि समय iii. प्रमुख अतिथि iv. समारोह v. अतिथि संदेश vi. समापन

अथवा

कहानी लेखन -

(5)

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिए, और उचित शीर्षक दीजिए :-

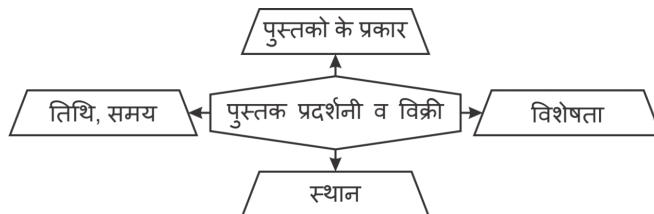
परहित सरिस धर्म नाहिं भाई, इस सुविचार पर अस्सी से सौ शब्दों में कहानी लिखिए STORY

(2) विज्ञापन लेखन -

(5)

आदर्श विज्ञापन तैयार कीजिए।

(5)



(इ) निबंध लेखन -

(7)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

- (1) पुस्तक की आत्मकथा।
- (2) मेरी छोटी बहन
- (3) पर्यावरण संतुलन